A–0333

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

CPS-14

BACHELOR OF EDUCATION (B.Ed.)

संस्कृत का शिक्षणशास्त्र (भाग-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 35

नोट :- यह प्रश्न-पत्र पैंतीस (35) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न $2\times9\frac{1}{2}=19$

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्दांत को विस्तारपूर्वक समझाइए।

2. पठन कौशल से आप क्या समझते हैं ? पठन कौशल के विविध रूपों का उदहारण सहित वर्णन कीजिए।

3. संस्कृत भाषा शिक्षण के लिए श्रव्य-दृष्य सामग्री का महत्व स्पष्ट कीजिए।

4. उपलब्धि परीक्षण के प्रकारों को समझाइए एवं इनमें अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. संस्कृत भाषा शिक्षकों के लिए क्रियात्मक अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×4=16

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वाइगोत्स्की का पाठ बांधना (स्का फोल्डिंग) से क्या तात्पर्य है ?

2. उच्चस्तरीय भाषाई कौशलों को विकसित करने वाले साधनों का वर्णन कीजिए।

3. पाठ्यक्रम संपादन तथा पाठ्यक्रम विकास में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. क्रियात्मक अनुसंधान की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

5. वाइगोत्स्की ने अपने सिद्दांतों में कौन-कौन से कारकों को महत्वपूर्ण स्थान दिया है स्पष्ट कीजिए।

6. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन को समझाइये।

7. उपलब्धि परीक्षणों निर्माण व प्रमापीकरण के सोपानो का वर्णन कीजिए।

8. पाणिनी द्वारा प्रतिपादित मुख्य सिद्दांतों को लिखिए।

****